

अति गोपनीय: (केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

सीनियर सेकेंडरी स्कूल पूरक परीक्षा, 2026

अंक योजना - भूगोल (सैद्धांतिक) (विषय कोड - 029)

(पेपर कोड - 64/7/3)

सामान्य निर्देश:-

1	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पाट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
2	“मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।”
3	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए और धार्मिक रूप से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, उत्तर जो नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या अभिनव हैं, उनका मूल्यांकन उनकी शुद्धता के लिए किया जा सकता है अन्यथा उन्हें अंक नहीं दिए जाएंगे। 12 कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता की गणना की गई हो, अंक दिए जाने चाहिए।
4	अंक - योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य पर बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में हैं और सम्पूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं । छात्रों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक तदनुसार दिये जाने चाहिए ।
5	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है । मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तरपुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएंगी कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है ।

6	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (v) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार का अंक नहीं लगाएंगे जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे आम गलती है जो मूल्यांकनकर्ता कर रहे हैं।
7	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के मार्जिन में लिखा जाना चाहिए और घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका कड़ाई से पालन किया जा सकता है।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका कड़ाई से पालन भी किया जा सकता है।
9	यदि किसी छात्र ने एक अतिरिक्त प्रश्न का प्रयास किया है, तो अधिक अंक वाले प्रश्न का उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए। बरकरार रखा जाना चाहिए और अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए।
10	त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसे केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूर्ण पैमाने <u>70</u> (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 0-40 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात् प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।
13	सुनिश्चित करें कि आप पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियां नहीं करते हैं: ● उत्तर या उसके किसी भाग को उत्तर पुस्तिका में बिना मूल्यांकन के छोड़ना। ● किसी उत्तर के लिए दिए गए अंक से अधिक अंक देना। ● एक उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। ● उत्तर पुस्तिका के आंतरिक पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानान्तरण। ● शीर्षक पृष्ठ पर गलत प्रश्नवार योग। ● शीर्षक पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग। ● गलत कुल योग। ● शब्दों और अंकों में अंक का मिलान नहीं होना। ● उत्तरपुस्तिका से ऑनलाइन पुरस्कार सूची में अंकों का गलत स्थानान्तरण। उत्तर सही के रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए

	X के साथ भी ऐसा ही है।) उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी अमूल्यांकित हिस्से, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण पालन किया जाए।
16	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को मौके के मूल्यांकन के लिए दिशा-निर्देशों में दिए गए दिशा-निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से कुल और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	बोर्ड उम्मीदवारों को आरटीआई आवेदन में अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है और प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में अलग से भी। परीक्षक / अतिरिक्त मुख्य परीक्षको को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

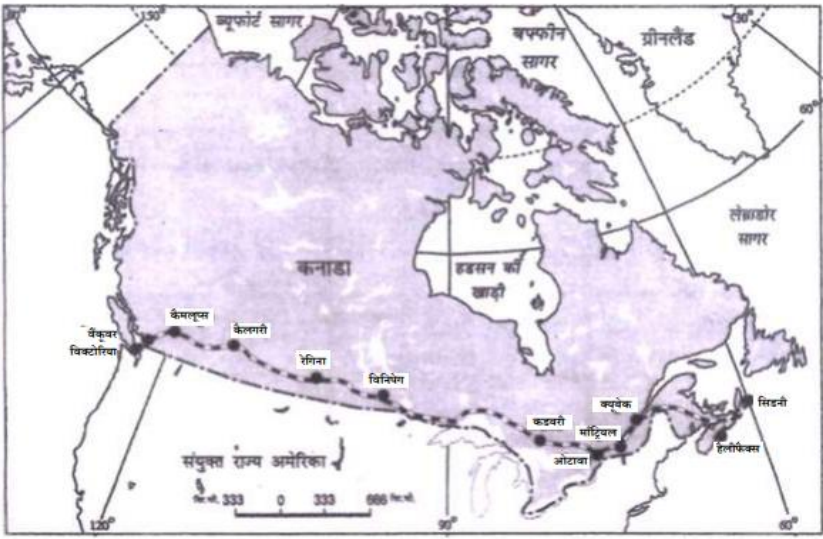
अंक योजना
 पूरक परीक्षा, 2026
 विषय - भूगोल- सैद्धांतिक (029)
 (पेपर कोड - 64/7/3)

सेट-3
 अधिकतम अंक-70

प्र.सं.	अपेक्षित उत्तर / मूल्य बिंदु	पाठ्य पुस्तक में पृ.सं.	अंक वितरण
	खण्ड क प्रश्न संख्या 1 से 17 बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं।		17x1=17
1.	(B) (A) और (R) दोनों सही हैं ,लेकिन (R) ,(A) की सही व्याख्या नहीं है ।	Pg-8 TB-I	1
2	(D) (A) और (R) दोनों सही हैं ,लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है ।	Pg-8 TB-II	1
3	(C) नहरकटिया तेल क्षेत्र से बरौनी	Pg-82 TB-II	1
4	(B) कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा	Pg-80 TB-II	1
5	(C) ऐलुमिनियम	Pg-39 TB-I	1
6	(B) सोयाबीन, सूरजमुखी, मूंगफली	Pg-25 TB-II	1
7	(C) a-iv, b-i, c-ii, d-iii	Pg-112 TB-II	1
8	(C) केवल I, III और IV सही हैं I	Pg-38 TB-I	1
9	(D) हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार	Pg-10 TB-II	1

10	(C) III, II, I, IV	Pg-60 TB-II	1																																																
11	(A) उत्तर -पश्चिमी यूरोपीय क्षेत्र	Pg-30 TB-I	1																																																
12	(C) एकवर्ष में जीवित जन्मों की संख्या + वर्ष के मध्य में अनुमानित जनसंख्या $\times 1000$	Pg-9 TB-I	1																																																
13	(C) ऐलुमिनियम	Pg-39 TB-I	1																																																
14	(B) जल संग्रहण के लिए ढांचा बनाना	Pg-47 TB-II	1																																																
15	नीचे दी गई तालिका का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और प्रश्न संख्या 15 से 17 तक के उत्तर लिखिए। भारत : दशकीय जन्म दर, मृत्यु दर और प्राकृतिक वृद्धि दर, 1901 – 2011 <table border="1"> <thead> <tr> <th>दशक</th><th>अशोधित जन्म दर प्रति 1000</th><th>अशोधित मृत्यु दर प्रति 1000</th><th>प्राकृतिक वृद्धि दर (प्रति 1000)</th></tr> </thead> <tbody> <tr><td>1901 – 1911</td><td>49.2</td><td>42.6</td><td>6.6</td></tr> <tr><td>1911 – 1921</td><td>48.1</td><td>47.2</td><td>0.9</td></tr> <tr><td>1921 – 1931</td><td>46.4</td><td>36.2</td><td>10.2</td></tr> <tr><td>1931 – 1941</td><td>45.9</td><td>37.2</td><td>8.7</td></tr> <tr><td>1941 – 1951</td><td>39.9</td><td>27.4</td><td>12.5</td></tr> <tr><td>1951 – 1961</td><td>41.7</td><td>22.8</td><td>18.9</td></tr> <tr><td>1961 – 1971</td><td>41.1</td><td>19.0</td><td>22.1</td></tr> <tr><td>1971 – 1981</td><td>37.2</td><td>15.0</td><td>22.2</td></tr> <tr><td>1981 – 1991</td><td>29.5</td><td>9.8</td><td>19.7</td></tr> <tr><td>1991 – 2001</td><td>25.4</td><td>8.4</td><td>17.0</td></tr> <tr><td>2001 – 2011</td><td>21.8</td><td>7.1</td><td>14.7</td></tr> </tbody> </table> जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि से संबंधित सही विकल्प का चयन कीजिए। (A) जन्म - मृत्यु	दशक	अशोधित जन्म दर प्रति 1000	अशोधित मृत्यु दर प्रति 1000	प्राकृतिक वृद्धि दर (प्रति 1000)	1901 – 1911	49.2	42.6	6.6	1911 – 1921	48.1	47.2	0.9	1921 – 1931	46.4	36.2	10.2	1931 – 1941	45.9	37.2	8.7	1941 – 1951	39.9	27.4	12.5	1951 – 1961	41.7	22.8	18.9	1961 – 1971	41.1	19.0	22.1	1971 – 1981	37.2	15.0	22.2	1981 – 1991	29.5	9.8	19.7	1991 – 2001	25.4	8.4	17.0	2001 – 2011	21.8	7.1	14.7		1
दशक	अशोधित जन्म दर प्रति 1000	अशोधित मृत्यु दर प्रति 1000	प्राकृतिक वृद्धि दर (प्रति 1000)																																																
1901 – 1911	49.2	42.6	6.6																																																
1911 – 1921	48.1	47.2	0.9																																																
1921 – 1931	46.4	36.2	10.2																																																
1931 – 1941	45.9	37.2	8.7																																																
1941 – 1951	39.9	27.4	12.5																																																
1951 – 1961	41.7	22.8	18.9																																																
1961 – 1971	41.1	19.0	22.1																																																
1971 – 1981	37.2	15.0	22.2																																																
1981 – 1991	29.5	9.8	19.7																																																
1991 – 2001	25.4	8.4	17.0																																																
2001 – 2011	21.8	7.1	14.7																																																
16	भारत में जनसंख्या वृद्धि के निम्नलिखित में से किस प्रावस्था को जनसंख्या विस्फोट के रूप में जाना जाता है? (C) प्रावस्था-ग		1																																																

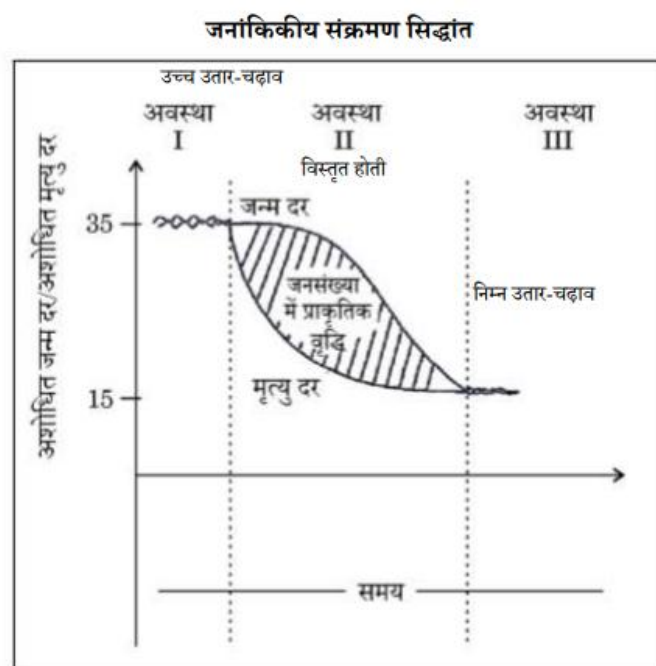
17	भारत में जनसंख्या वृद्धि की प्रावस्था -क के समय अंतराल से संबंधित सही विकल्प का चयन कीजिए। (B) 1901 to 1921		1
	खण्ड ख प्रश्न संख्या 18 एवं 19 स्रोत - आधारित प्रश्न हैं।		2x3=6
18	दिए गए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: व्यापार संतुलन व्यापार संतुलन, एक देश के द्वारा अन्य देशों को आयात एवं इसी प्रकार निर्यात की गई वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा (परिमाण) का प्रलेखन करता है। यदि आयात का मूल्य, देश के निर्यात मूल्य की अपेक्षा अधिक है तो देश का व्यापार संतुलन ऋणात्मक अथवा प्रतिकूल है। यदि निर्यात का मूल्य, आयात के मूल्य की तुलना में अधिक है तो देश का व्यापार संतुलन धनात्मक अथवा अनुकूल है। एक देश की आर्थिकी के लिए व्यापार संतुलन एवं भुगतान संतुलन के गंभीर निहितार्थ होते हैं। एक ऋणात्मक संतुलन का अर्थ होगा कि देश वस्तुओं के क्रय पर उससे अधिक व्यय करता है जितना कि अपने सामानों के विक्रय से अर्जित करता है। यह अंतिम रूप में वित्तीय संचय की समाप्ति को अभिप्रेरित करता है। (18.1) धनात्मक व्यापार संतुलन की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए। यदि निर्यात का मूल्य, आयात के मूल्य की तुलना में अधिक है तो देश का व्यापार धनात्मक है। 1 (18.2) विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर धनात्मक व्यापार संतुलन के प्रभावों की व्याख्या कीजिए। - उच्च सकल घरेलू उत्पादन - प्रति व्यक्ति आय अधिक - जीवन का बेहतर स्तर - अन्य संबंधित बिंदु 1 (किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित) (18.3) विकासशील देशों पर ऋणात्मक व्यापार संतुलन के प्रभावों की व्याख्या कीजिए। - वित्तीय भंडारों का समाप्त हो जाना। - इन देशों में बेरोजगारी की समस्या का होना।		3x1=3

	iii. अन्य संबंधित बिंदु । (किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित)	1	
19	दिए गए मानचित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:  (19.1) पार-कैनेडियन रेलमार्ग किन दो महासागरों को जोड़ता है ? i. प्रशांत महासागर ii. अटलांटिक महासागर $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ (19.2) इस रेलमार्ग पर स्थित एक औद्योगिक प्रदेश का नाम लिखिए । क्यूबेक-मोंट्रियाल औद्योगिक प्रदेश 1 (19.3) इस मार्ग को कनाडा की आर्थिक धमनी क्यों कहा जाता है ? i. यह मार्ग क्यूबेक-मोंट्रियाल औद्योगिक प्रदेश को प्रेयरी प्रदेश की गेहूं मंडला से जोड़ता है। ii. इस रेल मार्ग से गेहूं और मांस निर्यात किया जाता है। iii. अन्य संबंधित बिंदु । 1 (किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।)		3x1=3

	नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 19 के स्थान पर है । पार-कैनेडियन रेलमार्ग के आर्थिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए । - यह मार्ग क्यूबेक-मोंट्रियाल औद्योगिक प्रदेश से गुजरता है। - यह औद्योगिक प्रदेश को प्रेयरी प्रदेश की गेहूं मेखला से जोड़ता है। - विनिपेग से थंडरखाड़ी तक एक संवृतमार्ग इस रेल लाइन को विश्व के सर्वाधिक महत्वपूर्ण जलमार्ग से जोड़ता है। - गेहूं और मांस इस मार्ग द्वारा किए जाने वाले महत्वपूर्ण निर्यात हैं। - अन्य संबंधित बिंदु (किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।)	Pg-59 TB-I	3x1=3
	खण्ड ग प्रश्न संख्या 20 से 23 लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं।		4x3=12
20	“मानव भूगोल पृथ्वी और मनुष्य के अंतर्संबंधों की एक नई संकल्पना प्रस्तुत करता है ।” उदाहरणों सहित इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए । - प्रकृति एवं मानव अविभाज्य तत्व हैं। - मानव भूगोल का मुख्य अध्ययन बिंदु पृथ्वी को मानव के घर के रूप में समझाना और उन सभी तत्वों का अध्ययन करना है जिन्होंने मानव को पोषित किया। - इन्हें समग्रता में देखा जाना चाहिए। - भौतिक और मानवीय दोनों परिघटनाओं का वर्णन मानव शरीर रचना विज्ञान से प्रतीकों का प्रयोग करते हुए रूपकों के रूप में किया जाता है। - उदाहरण के लिए पृथ्वी का रूप, तूफान की आंख आदि। - कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं तीन बिंदुओं को न्याय संगत ठहराना अपेक्षित है।)	Pg-2 TB-I	3x1=3

21

दिए गए आरेख का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए :



जन्म दर, मृत्यु दर एवं जनसंख्या वृद्धि के आधार पर 'जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत' की द्वितीय अवस्था का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए ।

जन्म दर

प्रजननशीलता ऊंची बनी रहती है किंतु समय के साथ घटती जाती है। 1

मृत्यु दर

स्वास्थ्य संबंधी दशाओं व स्वच्छता में सुधार के साथ मृत्यु दर में कमी आती जाती है। 1

जनसंख्या वृद्धि

जनसंख्या में होने वाला शुद्ध योग उच्च होता है।

उदाहरण के लिए पेरू, श्रीलंका, केन्या। 1

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल प्रश्न दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 21 के स्थान पर है ।

Pg-10
TB-I

3x1=3

	विश्व में 'जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत' का विश्लेषण कीजिए । - जनसंख्या संक्रमण सिद्धांत का उपयोग किसी क्षेत्र की जनसंख्या के वर्णन तथा भविष्य की जनसंख्या के पूर्व अनुमान के लिए किया जा सकता है। - यह सिद्धांत बताता है कि किसी प्रदेश की जनसंख्या उच्च जन्म और उच्च मृत्यु से निम्न जन्म व निम्न मृत्यु में परिवर्तित होती है। - समाज ग्रामीण ,खेतिहर और अशिक्षित अवस्था से उन्नति करके नगरीय ,औद्योगिक और साक्षर बनता है। - इसे तीन अवस्था वाले मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। - अन्य संबंधित बिंदु (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)	Pg-10,11 TB-I	3x1=3
22	भारत में 'स्मार्ट सिटी मिशन' के प्रमुख उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए। स्मार्ट सिटी मिशन - स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य शहरों को बढ़ावा देना है जो आधारभूत सुविधा साफ तथा सतत पर्यावरण प्रदान करें। - अपने नागरिकों को बेहतर जीवन प्रदान करना। - स्मार्ट सिटी की एक विशेषता आधारभूत सुविधाओं और सेवाओं के लिए स्मार्ट समाधानों को लागू करना । - इस योजना में सतत तथा समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।इस योजना का उद्देश्य एक ऐसे सघन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना है जो एक मॉडल के रूप में अन्य बढ़ते हुए शहरों के लिए लाइटहाउस का काम करें। - कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)	Pg-19 TB-II	3x1=3

23	(क) मानव विकास के 'कल्याण उपागम' की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए । - यह उपागम मानव को लाभार्थी अथवा सभी विकासात्मक गतिविधियों के लक्ष्य के रूप में देखता है। - यह उपागम शिक्षा, स्वास्थ्य ,सामाजिक सुरक्षा और सुख साधनों पर उच्चतर सरकारी व्यय का तर्क देता है। - लोग विकास में प्रतिभागी नहीं है किंतु वे केवल निष्क्रिय प्राप्त करता है। - सरकार कल्याण पर अधिकतम व्यय करके मानव विकास के स्तरों में वृद्धि करने के लिए जिम्मेदार है। - अन्य संबंधित बिंदु (किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है) अथवा (ख) मानव विकास के 'आधारभूत आवश्यकता उपागम' की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए । - इस उपागम को मूल रूप से अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने प्रस्तावित किया था। - यह मानव की न्यूनतम आवश्यकताओं पर आधारित है। - छः न्यूनतम आवश्यकताएं हैं :स्वास्थ्य ,शिक्षा , भोजन ,जलापूर्ति, स्वच्छता और आवास। - इसमें मानव विकल्पों के प्रश्न की उपेक्षा की गई है और परिभाषित वर्गों की मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था पर जोर दिया गया है। - अन्य संबंधित बिंदु। (किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)	Pg-17 TB-I	3x1=3
	खंड घ प्रश्न संख्या 24 से 28 दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न है ।	Pg-17 TB-I	3x1=3
			5x5=25

24	गंगा नदी में जल के प्रदूषण के लिए उत्तरदायी प्रमुख कारणों को स्पष्ट कीजिए और इसके प्रदूषण को कम करने के लिए उपाय सुझाइए। <u>गंगा नदी में जल प्रदूषण के कारण:</u> - वाहित मल निपटान/ घरेलू अपशिष्ट - नगरीय वाही जल - उद्योगों के विषाक्त तत्व - अति कृषित भूमि - नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र - कोई अन्य संबंधित बिंदु। $2 \times 1 = 2$ (किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।) <u>जल प्रदूषण को कम करने के उपाय:</u> - सीवर ट्रीटमेंट संयंत्रों का विकास करना। - औद्योगिक प्रवाह की निगरानी करना। - नदी के किनारों का विकास करना - नदी के किनारों पर वृक्षारोपण जिससे जैव विविधता में वृद्धि हो। - आर्गेनिक खेती करना। - कोई अन्य संबंधित बिंदु। $3 \times 1 = 3$ (किन्हीं तीन बिंदुओं में व्याख्या अपेक्षित है।)	Pg-95,96 TB-II	2+3=5
25	(क) "अधिक पूँजी व्यय और कृषकों की कुशलता मिश्रित कृषि की कुछ प्रमुख विशेषताएँ हैं।" उदाहरणों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए। - मिश्रित कृषि के खेत, मध्यम आकार के और मशीनों का उपयोग। - पशुपालन और कृषि पर बल। - पशु जैसे मवेशी, भेड़ और सूअर पालन और फसलों आदि आय के प्रमुख स्रोत हैं। - इनमें रासायनिक एवं वनस्पति खाद की सघन रूप से आवश्यकता होती है। - भवनों एवं मशीन आदि के लिए पूँजी की		

	आवश्यकता होती है। vi. इस प्रकार की कृषि में अनुभवी और कौशल युक्त किसान काम करते हैं। vii. शस्यावर्तन एवं अंतः फसली कृषि मृदा से उर्वरता में वृद्धि होती है। viii. यह कृषि विश्व के अत्यधिक विकसित भागों में की जाती है ,उदाहरण के लिए उत्तर पश्चिमी यूरोप ,पूर्वी उत्तर अमेरिका, यूरेशिया का भाग आदि। ix. कोई अन्य संबंधित बिंदु (किन्हीं पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।) अथवा (ख) "बाजार के लिए सब्जी खेती एवं उद्यान कृषि के लिए गहन श्रम एवं अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है।" उदाहरणों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए। i. इस प्रकार की कृषि में अधिक मूल्य मिलने वाली फसलें उगाई जाती हैं उदाहरण के लिए सब्जी, फल एवं फूल आदि। ii. इस कृषि में खेतों का आकार छोटा होता है। iii. यह अच्छे यातायात साधनों के द्वारा नगरीय केन्द्रों से जुड़े क्षेत्रों में अवस्थित होती हैं। iv. यह वहां अवस्थित होती है जहाँ नगरीय क्षेत्र में ऊँची आय वाले लोग रहते हैं । v. सिंचाई, उर्वरक , अच्छी किस्म के बीज, कीटनाशी हरित ग्रह पर जोर। vi. इस प्रकार की कृषि भूमध्य सागरीय क्षेत्र , उत्तर पश्चिम यूरोप के सघन जनसंख्या, औद्योगिक जिलों और संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में अधिक विकसित हुई। vii. जिस क्षेत्र में किसान सब्जी कृषि में विशिष्टीकृत है, इसे ट्रक कृषि कहा जाता है। viii. कोई अन्य संबंधित बिंदु।	Pg-29 TB-I	5x1=5
		Pg-31 TB-I	5x1=5

	(किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)		
26	(क) 'लक्ष्य क्षेत्र नियोजन' को परिभाषित कीजिए । 'समन्वित जनजातीय विकास परियोजना' के अंतर्गत भरमौर क्षेत्र की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए। लक्ष्य क्षेत्र नियोजन जो क्षेत्र आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं उन क्षेत्रों में नियोजन प्रक्रम पर विशेष ध्यान दिया जाता है। 1 भरमौर क्षेत्र की उपलब्धियां: - अवसंरचना का विकास - विद्यालय शिक्षा तथा साक्षरता दर में वृद्धि। - स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार। - पेयजल की उपलब्धता में सुधार। - विद्युत आपूर्ति में सुधार। - सड़क तथा संचार व्यवस्था में सुधार। - लिंगानुपात में सुधार। - अन्य संबंधित बिंदु 4x1=4 (किन्ही चार बिंदुओं का वर्णन अपेक्षित है ।) अथवा (ख) 'सतत पोषणीय विकास' को परिभाषित कीजिए । इंदिरा गाँधी नहर कमान क्षेत्र में सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने वाले उपायों का वर्णन कीजिए । <u>'सतत पोषणीय विकास':</u> एक ऐसा विकास जिसमें भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकता पूर्ति को प्रभावित किए बिना वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकता की पूर्ति करना सतत पोषणीय विकास कहलाता है। 1 सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने वाले उपाय	Pg-69 TB-II	1+4=5

	i. पहली और सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है जल प्रबंधन नीति का कठोरता से कार्यान्वयन करना। इस नहर परियोजना के चरण-1 में कमान क्षेत्र में फसल रक्षण सिंचाई और चरण-2 में फसल उगाने और चरागाह विकास के लिए विस्तारित सिंचाई का प्रावधान है। ii. इस क्षेत्र के शस्य प्रतिरूप में सामान्यतः जल सघन फसलों को नहीं बोया जाना चाहिए। इसका पालन करते हुए किसानों को बागाती कृषि के अंतर्गत खट्टे फलों की खेती करनी चाहिए। iii. कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम जैसे नालों को पक्का करना, भूमि विकास तथा समतलन और वारबंदी (आवर्तन पद्धति (निकास के कमान क्षेत्र में नहर के जल का समान वितरण) प्रभावी रूप से कार्यान्वित की जाए ताकि बहते जल की क्षति मार्ग में कम हो सके। iv. इस प्रकार जलाक्रांत एवं लवण से प्रभावित भूमि का पुनरुद्धार किया जाएगा। v. वनीकरण, वृक्षों का रक्षण मेखला का निर्माण और चरागाह विकास। इस क्षेत्र, विशेषकर चरण-2 के भंगुर पर्यावरण, में पारितंत्र-विकास के लिए अति आवश्यक है। vi. इस प्रदेश में सामाजिक सतत पोषणता का लक्ष्य तभी हासिल किया जा सकता है यदि निर्धन आर्थिक स्थिति वाले भूआवंटियों को कृषि के लिए पर्याप्त मात्रा में वित्तीय और संस्थागत सहायता उपलब्ध करवाई जाए। vii. मात्र कृषि और पशुपालन के विकास से इस क्षेत्रों में आर्थिक सतत पोषणीय विकास की अवधारणा को साकार नहीं किया जा सकता। कृषि और इससे संबंधित क्रियाकलापों को अर्थव्यवस्था के अन्य सेक्टरों के साथ विकसित करना पड़ेगा। इससे इस क्षेत्र में आर्थिक विविधीकरण होगा तथा मूल आबादी गाँवों, कृषि-सेवा केंद्रों (सुविधा गाँवों) और विपणन केंद्रों (मंडी कस्बों) के बीच प्रकार्यात्मक संबंध स्थापित होगा।	Pg-70,73 TB-II	1+4=5
--	---	------------------------------	--------------

	viii. अन्य संबंधित बिंदु (किन्हीं चार बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है)	4x1=4																		
27	(क) ग्रामीण एवं नगरीय विपणन केन्द्रों में उदाहरणों सहित अंतर स्पष्ट कीजिए। <table><tr><th>ग्रामीण विपणन केन्द्र</th><th>नगरीय विपणन केन्द्र</th></tr><tr><td>i. ये निकटवर्ती बस्तियों का पोषण करते हैं।</td><td>i. इनका क्षेत्र विस्तृत होता है।</td></tr><tr><td>ii. ये अर्ध -नगरी केंद्र होते हैं।</td><td>ii. यह अधिक विशिष्टीकृत सेवाएं प्रदान करते हैं।</td></tr><tr><td>iii. यह अत्यंत अल्प वर्धित प्रकार के व्यापारिक केंद्रों के रूप में सेवा करते हैं।</td><td>iii. यह साधारण वस्तुएं और सेवाओं के अलावा वांछित विशिष्ट सेवाएं भी उपलब्ध कराते हैं।</td></tr><tr><td>iv. व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक सेवाएं विकसित नहीं होती।</td><td>iv. नगरीय केंद्र विनिर्मित वस्तुएं तथा विशिष्ट बाजार की सुविधा उपलब्ध कराते हैं।</td></tr><tr><td>v. ये स्थानीय संग्रहण और वितरण केंद्र होते हैं।</td><td>v. इनमें शैक्षिक संस्थानों और व्यावसायिक सेवाएं जैसे अध्यापक, वकील, चिकित्सक आदि उपलब्ध होते हैं।</td></tr><tr><td>vi. यह आवधिक बाजार होते हैं।</td><td>vi. यह नियमित बाजार होते हैं।</td></tr><tr><td>vii. अन्य संबंधित बिंदु</td><td>vii. अन्य संबंधित बिंदु।</td></tr></table> (किन्हीं पांच बिंदुओं में अंतर स्पष्ट अपेक्षित है।) अथवा (ख) फुटकर एवं थोक व्यापार में उदाहरणों सहित अंतर स्पष्ट कीजिए ।	ग्रामीण विपणन केन्द्र	नगरीय विपणन केन्द्र	i. ये निकटवर्ती बस्तियों का पोषण करते हैं।	i. इनका क्षेत्र विस्तृत होता है।	ii. ये अर्ध -नगरी केंद्र होते हैं।	ii. यह अधिक विशिष्टीकृत सेवाएं प्रदान करते हैं।	iii. यह अत्यंत अल्प वर्धित प्रकार के व्यापारिक केंद्रों के रूप में सेवा करते हैं।	iii. यह साधारण वस्तुएं और सेवाओं के अलावा वांछित विशिष्ट सेवाएं भी उपलब्ध कराते हैं।	iv. व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक सेवाएं विकसित नहीं होती।	iv. नगरीय केंद्र विनिर्मित वस्तुएं तथा विशिष्ट बाजार की सुविधा उपलब्ध कराते हैं।	v. ये स्थानीय संग्रहण और वितरण केंद्र होते हैं।	v. इनमें शैक्षिक संस्थानों और व्यावसायिक सेवाएं जैसे अध्यापक, वकील, चिकित्सक आदि उपलब्ध होते हैं।	vi. यह आवधिक बाजार होते हैं।	vi. यह नियमित बाजार होते हैं।	vii. अन्य संबंधित बिंदु	vii. अन्य संबंधित बिंदु।		Pg-47 TB-I	5x1=5
ग्रामीण विपणन केन्द्र	नगरीय विपणन केन्द्र																			
i. ये निकटवर्ती बस्तियों का पोषण करते हैं।	i. इनका क्षेत्र विस्तृत होता है।																			
ii. ये अर्ध -नगरी केंद्र होते हैं।	ii. यह अधिक विशिष्टीकृत सेवाएं प्रदान करते हैं।																			
iii. यह अत्यंत अल्प वर्धित प्रकार के व्यापारिक केंद्रों के रूप में सेवा करते हैं।	iii. यह साधारण वस्तुएं और सेवाओं के अलावा वांछित विशिष्ट सेवाएं भी उपलब्ध कराते हैं।																			
iv. व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक सेवाएं विकसित नहीं होती।	iv. नगरीय केंद्र विनिर्मित वस्तुएं तथा विशिष्ट बाजार की सुविधा उपलब्ध कराते हैं।																			
v. ये स्थानीय संग्रहण और वितरण केंद्र होते हैं।	v. इनमें शैक्षिक संस्थानों और व्यावसायिक सेवाएं जैसे अध्यापक, वकील, चिकित्सक आदि उपलब्ध होते हैं।																			
vi. यह आवधिक बाजार होते हैं।	vi. यह नियमित बाजार होते हैं।																			
vii. अन्य संबंधित बिंदु	vii. अन्य संबंधित बिंदु।																			

	फुटकर व्यापार	थोक व्यापार		
	i. यह वह व्यावसायिक गतिविधि है जिसमें वस्तुओं की बिक्री सीधे उपभोक्ता को की जाती है। ii. अधिकांश रिटेल व्यापार निश्चित स्थानों और कुछ स्ट्रीट पैडलिंग, हाथ-ठेलों के रूप में होते हैं। iii. ऑनलाइन बाजार भी रिटेल बाजार का एक प्रकार है। iv वे डोर-टू-डोर सेवा प्रदान करते हैं। v. वे अक्सर थोक व्यापारी की पूंजी का उपयोग करते हैं। vi. कोई अन्य संबंधित बिंदु।	i. यह एक प्रकार का थोक व्यापार है। ii. इसमें कई मध्यस्थ शामिल होते हैं, वे सीधे उपभोक्ताओं को नहीं बेचते iii. वे सीधे निर्माता से खरीदते हैं। iv. सप्लाई चेन भी एक प्रकार की थोक विपणन प्रणाली है। v. वे बड़ी पूंजी के साथ काम करते हैं। vi. कोई अन्य संबंधित बिंदु।	Pg-47,48 TB-I	5x1=5
	(किन्हीं पांच बिंदुओं में अंतर स्पष्ट अपेक्षित है।)			
28	(क) भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में समुद्री पत्तनों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए । i. भारत तीन ओर से समुद्र से घिरा हुआ है और प्रकृति ने इसे एक लंबी तट रेखा प्रदान की है जिस पर अनेक बंदरगाह हैं। ii. भारतीय पत्तन विशाल मात्रा में विदेशी व्यापार का निपटान कर रहे हैं। iii. भारतीय पत्तनों की नौभार निपटाने की क्षमता में			

	1951 से 2016 में वृद्धि हुई है। iv. कुछ बंदरगाहों को पेट्रोलियम और अन्य कार्गो के आयात के लिए बनाया गया है। v. पश्चिमी तट के बंदरगाह का व्यापार दक्षिणी पश्चिमी एशिया, अफ्रीका, मध्य पूर्व, भूमध्य सागरीय देश, उत्तरी अमेरिका और यूरोप के साथ है। vi. पूर्वी तट के बंदरगाह पूर्वी एशिया (चीन, जापान, कोरिया) तथा आस्ट्रेलिया के साथ जुड़े हुए हैं। vii. अन्य संबंधित बिंदु (किन्हीं पांच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित है) अथवा (ख) भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। वायु परिवहन वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। i. यह अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देता है विशेष कर चिकित्सा पर्यटन। ii. इसमें बहुत कम समय लगता है। iii. अति उच्च मूल्य वाली वस्तुएं वायु परिवहन के द्वारा पहुंचाई जाती हैं। iv. शीघ्र नष्ट होने वाली वस्तुएं लंबी दूरी तक आसानी से पहुंचाई जाती हैं। v. भारत में 25 वायु पत्तन कार्यरत हैं जो भारत को सभी महाद्वीपों से जोड़ते हैं। vi. अन्य संबंधित बिंदु। (किन्हीं पांच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)	Pg-90,92 TB-II	5x1=5
	खंड ड	Pg-92 TB-II	5x1=5
			2x5=10

29

संलग्न मानचित्र देखिये

5x1=5

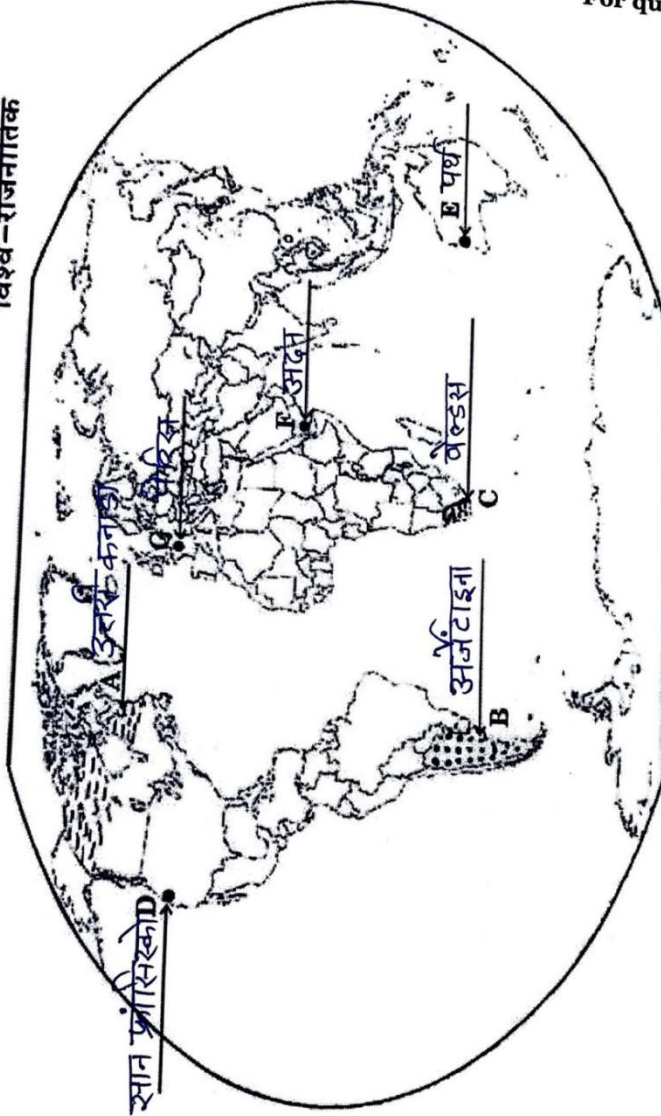
प्रश्न संख्या 29 का लिए

For question no. 29

Set: 64/7/1, 64/7/2, 64/7/3

विश्व-राजनीतिक

WORLD-POLITICAL



किन्ही पांच का उत्तर लिखिए - 5x1=5

नोट: केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 29 के स्थान पर है।
किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिये

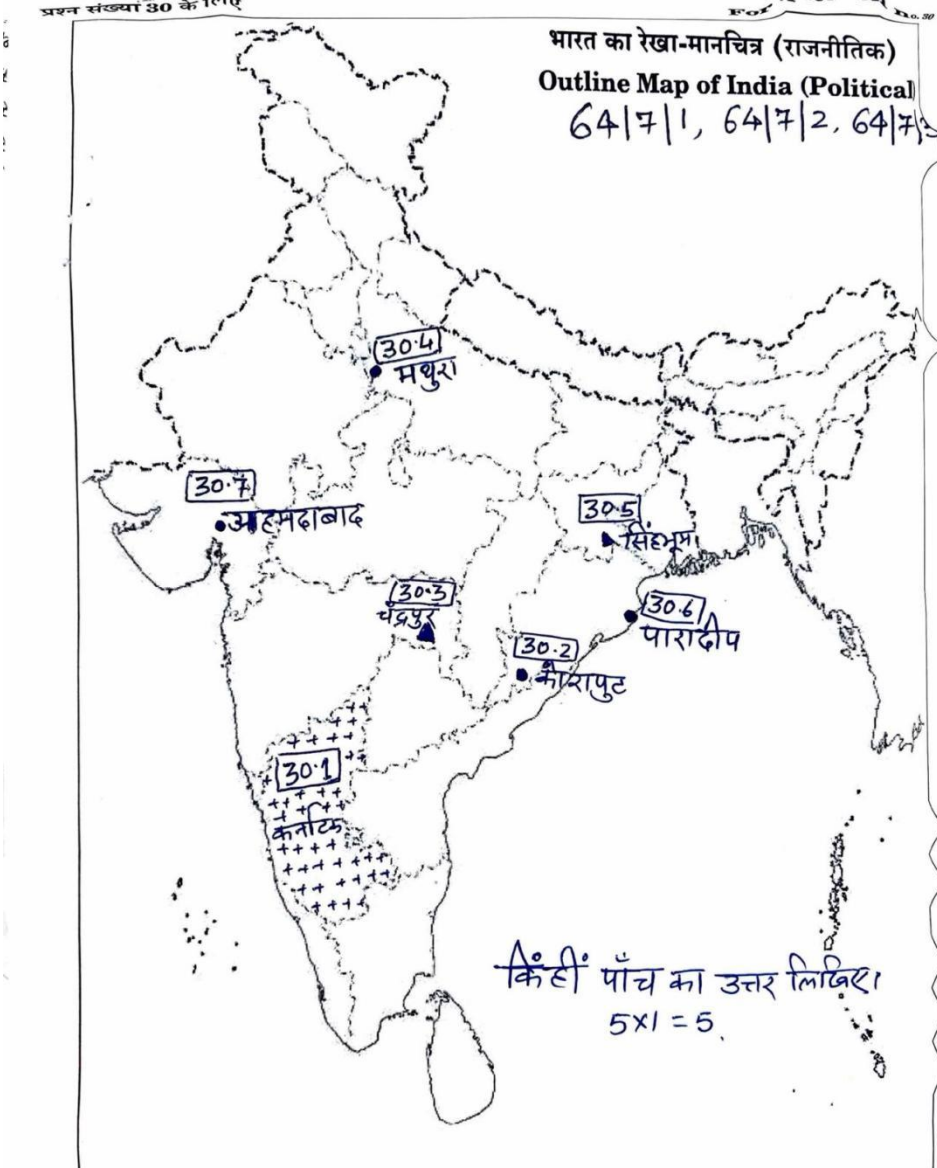
5x1=5

(29.1) उत्तरी कनाडा

(29.2) अर्जेन्टीना

(29.3) वेल्ड्स

(29.4) सैन फ्रांसिस्को

	(29.5) पर्थ (29.6) अदन (29.7) पेरिस	
30	संलग्न मानचित्र देखिये प्रश्न संख्या 30 के लिए भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक) Outline Map of India (Political) 64/7/1, 64/7/2, 64/7/3  किंहीं पाँच का उत्तर लिखिए। 5x1=5	5x1=5
	नोट: केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 30 के स्थान पर है। किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये (30.1) कर्नाटक (30.2) कोरापुट (30.3) चंदरपुर	5x1=5

	(30.4) मथुरा
	(30.5) सिंहभूम
	(30.6) पाराद्वीप
	(30.7) अहमदाबाद